भारतीय नौसेना के बजटीय आवंटन और बार-बार की शिकायत

भारतीय नौसेना को रक्षा सेवाओं में सबसे कम बजट मिलता है, जिससे इसकी परिचालन आवश्यकताएं और योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 में रक्षा क्षेत्र के लिए ₹6.81 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें 9.53% की वार्षिक वृद्धि हुई है।

हालांकि पिछले दशक में भारतीय नौसेना के लिए पूंजीगत परिव्यय में प्रतिवर्ष 10% की वृद्धि हुई है, लेकिन दशकों से चली आ रही वास्तविकता यह है कि भारतीय नौसेना को हर वित्तीय वर्ष में तीनों सेवाओं में सबसे कम धनराशि मिलती है।

by OJAANK IAS

नौसेना का बजटीय हिस्सा

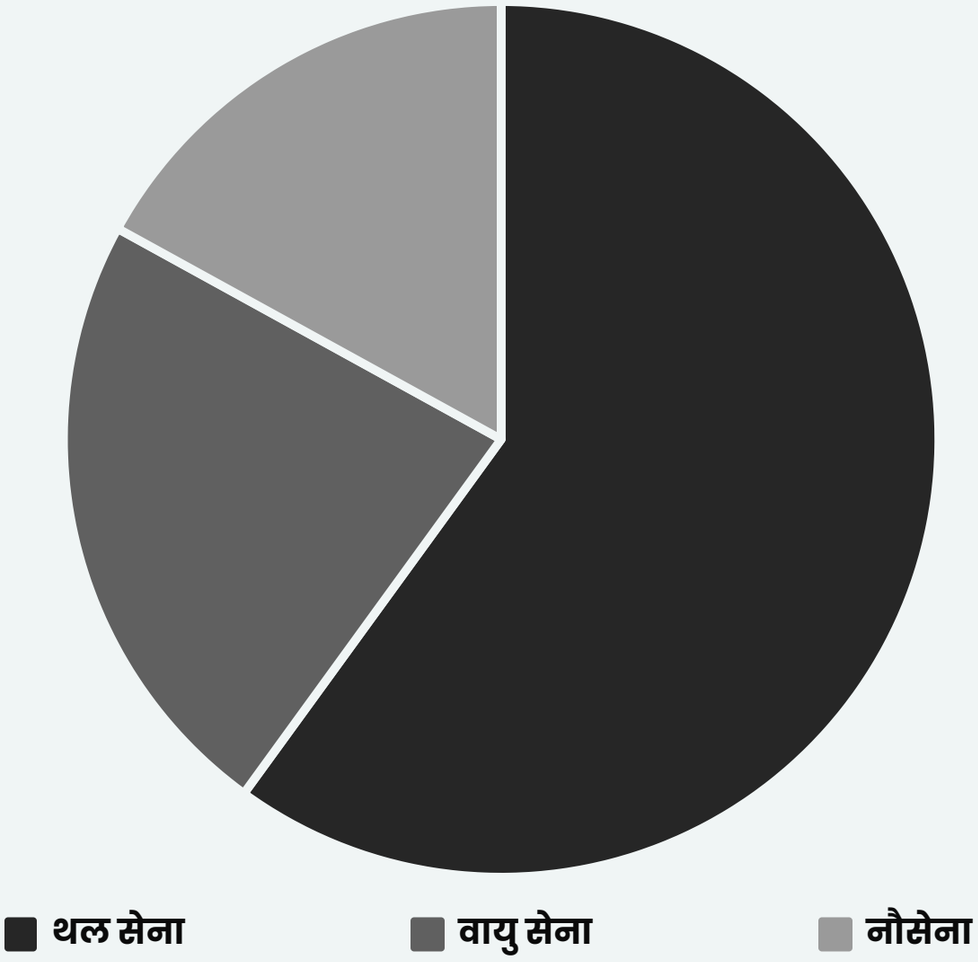

वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक, नौसेना का हिस्सा केवल 0.4% बढ़ा है। इसके विपरीत, कुल रक्षा खर्च में भारतीय थल सेना का हिस्सा आज नौसेना के हिस्से से दोगुना से भी अधिक है।

नौसेना का लंबे समय से चला आ रहा 20% से भी कम का अल्प हिस्सा इसकी परिचालन आवश्यकताओं को प्रभावित कर रहा है। यह 2024 की रक्षा पर स्थायी समिति (SCOD) की रिपोर्ट से भी स्पष्ट है, जिसमें नौसेना की संपत्तियों में पनडुब्बियों, नौसैनिक विमानों और हेलीकॉप्टरों की मौजूदा कमी का उल्लेख किया गया है।

नौसेना के आधुनिकीकरण पर प्रभाव

परियोजनाओं का बंद होना

संसाधनों की कमी इतनी गंभीर है कि नए आधुनिकीकरण योजनाओं पर खर्च प्रतिबद्ध देनदारियों से कम रहा है। कुछ बड़ी परियोजनाओं को बंद करने के अलावा, बजटीय अपर्याप्तता के कारण रक्षा मंत्रालय को नौसेना को विभिन्न योजनाबद्ध खरीद में कटौती करने के लिए मजबूर किया है।

लक्ष्यों में बदलाव

जबकि नौसेना का 2027 तक 200 युद्धपोत बल बनने का लक्ष्य था, बजट कटौती ने इस लक्ष्य को 2035 तक 175-200 जहाज बेड़े में बदल दिया है। फलस्वरूप, स्वदेशीकरण के प्रयासों के बावजूद, बजटीय अपर्याप्तता ने नौसेना के आधुनिकीकरण को प्रभावित किया है।

संपत्तियों की कमी

2020 में, नौसेना ने SCOD को विमानवाहक पोत, माइन काउंटरमेजर्स वेसल्स (MCMVs), और लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (LPDs) जैसे प्लेटफार्मों की कमी के बारे में सूचित किया था, जिससे परिचालन तत्परता प्रभावित हुई है।

🔥 UPSC को पक्का Current Affairs Strategy के साथ CRACK करना चाहते हो? तो यह है आपकी Golden Navratri Opportunity 🪔

Ojaank Sir की HWC Method = "Selection wali class" वापस आ गई है 2026-27 Aspirants के लिए 🚀

💥Bilingual Batch (Hindi + English) 💥Best से Best Online सीखने का मौका 💥Navratri पर जबरदस्त छूट – ₹24,000 → अब सिर्फ ₹12,000/साल 💥Monthly Payment? सिर्फ ₹2,000!

🧠 Updated रहो, आगे बढ़ो, और IAS बनने का सपना सच करो 🥳 Download Ojaank App Now Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Course Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/528

📢 Limited Seats | पहले आओ पहले पाओ

Ojaank IAS में Admission लेने लिए दिए गए link पर Click करके Form भरें - https://docs.google.com/forms/d/1PzN1wR9JewyqDUCQY4kP60HuoefjYTVnmIL69PIRmxc/edit

अधिक जानकारी के लिए तुरंत Call करें :- 8750711100/22/33/44/55

👉🏻 Ojaank Sir के साथ सीधा Whatsapp से जुड़ें : 8285894079

बढ़े हुए पूंजीगत परिव्यय की आवश्यकता

निर्माणाधीन युद्धपोत

63 युद्धपोत निर्माणाधीन हैं और नौसेना के पास 31 अन्य युद्धपोतों के लिए प्रारंभिक अनुमोदन है, जिनमें सात नई पीढ़ी के फ्रिगेट, आठ कोरवेट और छह पारंपरिक पनडुब्बियां शामिल हैं।

स्वदेशीकरण लक्ष्य

2047 तक पूर्ण नौसैनिक स्वदेशीकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली का तत्काल ध्यान 'मूव' और 'फाइट' श्रेणियों के उपकरणों पर केंद्रित होना चाहिए, जिनमें वर्तमान में क्रमशः 60% और 50% स्वदेशी सामग्री है।

निरंतर पूंजी प्रवाह

सेंटर फॉर इंडिजेनाइजेशन एंड सेल्फ रिलायंस जैसी विनिर्माण संस्थाएं, जो INS विक्रमादित्य और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों जैसे प्रमुख विदेशी मूल के नौसेना प्लेटफार्मों का पूर्ण स्वदेशीकरण कर रही हैं, को आने वाले वर्षों में निरंतर पूंजी प्रवाह की आवश्यकता है।

प्लेटफॉर्म की अपर्याप्तता

वर्तमान स्थिति

भारत ने गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट जैसे सतह के जहाजों के मामले में काफी प्रगति की है, लेकिन शक्ति प्रक्षेपण और निवारण के प्राथमिक साधन अपर्याप्त बने हुए हैं।

केवल दो वायु वाहक और परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों (SSBN) के साथ, और कोई परमाणु हमला पनडुब्बी (SSN) नहीं होने से, दोनों तटों (अरब सागर और बंगाल की खाड़ी) पर 24x7 निवारण नहीं है।

पनडुब्बियों की स्थिति

भारतीय नौसेना के 18 प्लेटफार्मों के पनडुब्बी बेड़े में से, जिनमें से लगभग आधे किसी भी समय परिचालन में हैं, 11 नावें तीन दशक से अधिक पुरानी हैं, जिन्हें जल्द ही सेवामुक्त करने की आवश्यकता है।

यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि पनडुब्बियों सहित कई परियोजनाओं में मुख्य रूप से वित्तीय बाधाओं के कारण अत्यधिक देरी हुई है।

अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

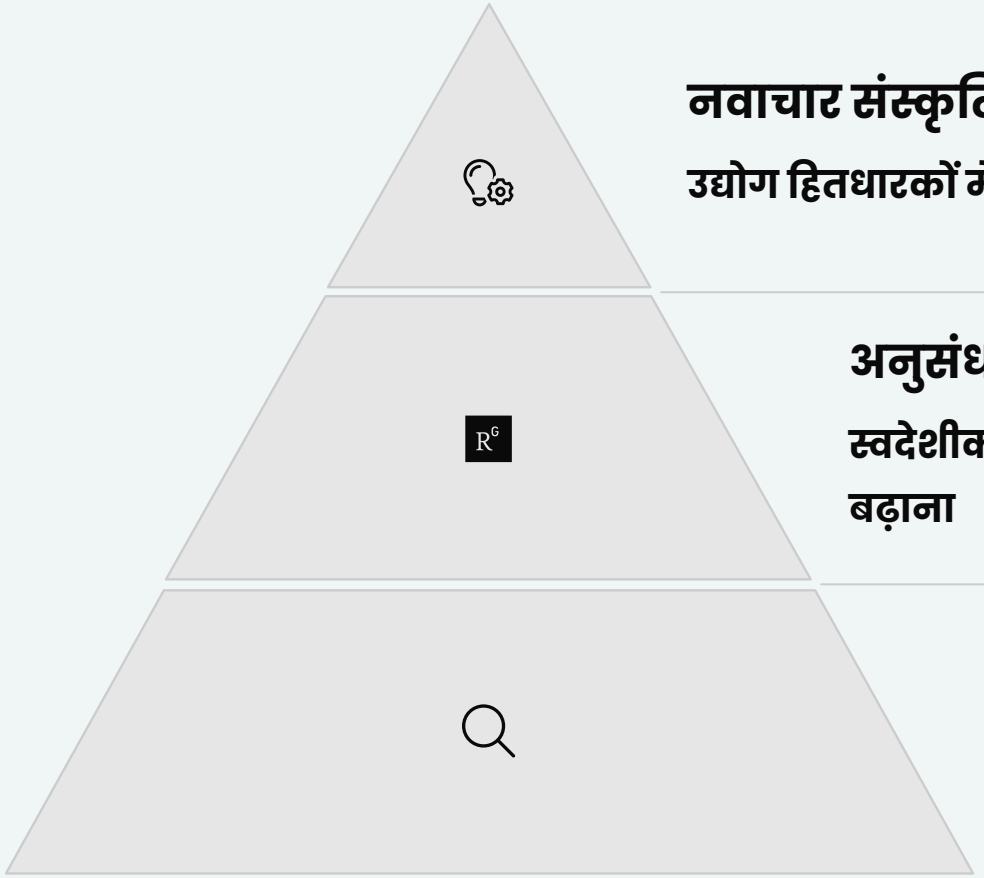

नवाचार संस्कृति

उद्योग हितधारकों में नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देना

अनुसंधान और विकास

स्वदेशीकरण लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अनुसंधान और विकास बढ़ाना

बजटीय आवंटन

DRDO को पर्याप्त पूंजीगत आवंटन आवश्यक

बजट में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के लिए 12% की वार्षिक वृद्धि का प्रावधान है, लेकिन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए वितरित राशि कुल रक्षा बजट का केवल 2% है। इसके अलावा, पिछले दशक में रक्षा बजट में DRDO का हिस्सा 4.7% से घटकर 3.8% हो गया है।

आयात निर्भरता

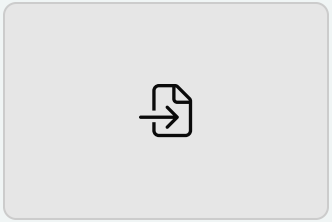

उच्च आयात निर्भरता

अपर्याप्त बजटीय समर्थन के कारण उच्च आयात निर्भरता

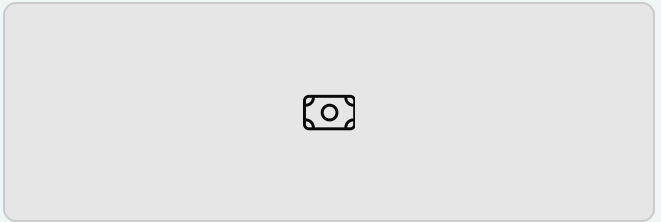

भारी खर्च

नौसैनिक संपत्तियों पर निर्भरता से भारी खर्च होता है

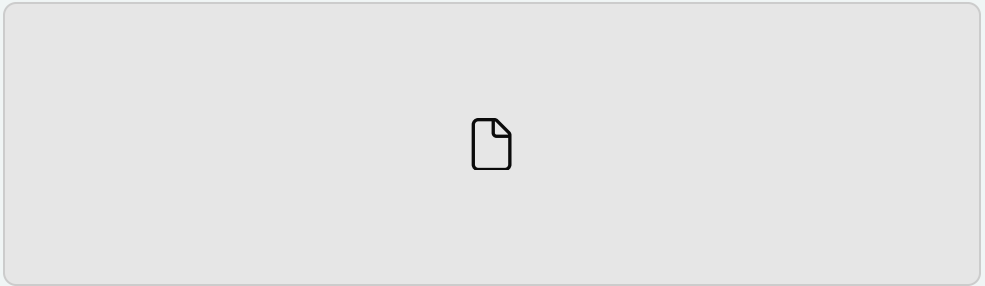

रणनीतिक कमजोरियां

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं के प्रति संवेदनशीलता

2012 और 2022 के बीच, नौसेना के विदेशी अधिग्रहण कुल रक्षा अधिग्रहण का 38% थे। नौसैनिक संपत्तियों पर निर्भरता न केवल भारी खर्च का कारण बनती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं के प्रति संवेदनशील भी बनाती है।

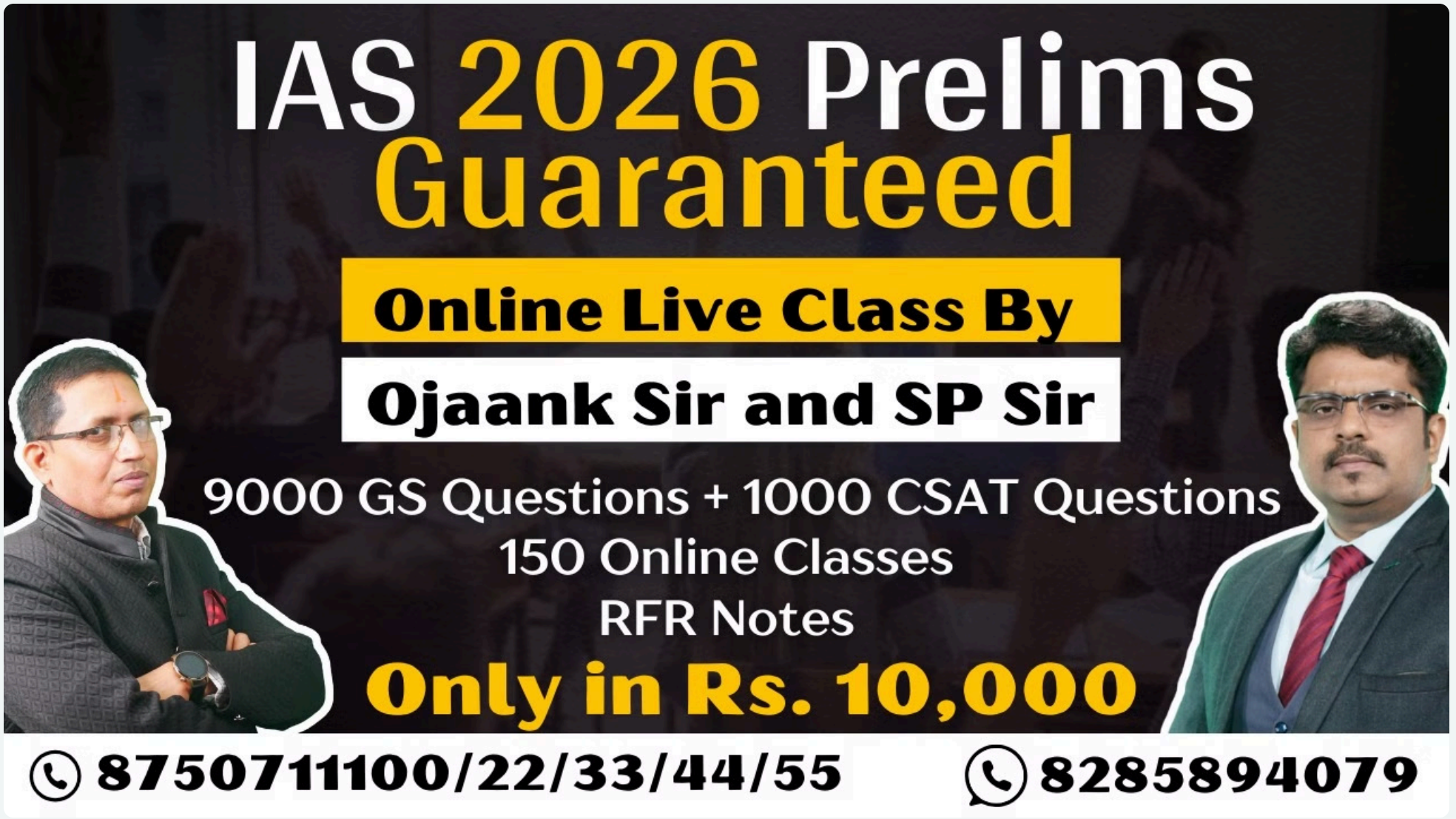

IAS 2026 Prelims की तैयारी अब होगी Guaranteed के साथ! 🔥📚
Ojaank Sir और SP Sir की Online Live Classes में मिलेगा Top Level Guidance✅

💡 **9000 GS Questions**
💡 **1000 CSAT Questions**
💡 **150 Online Live Classes**
💡 **RFR Notes**

💥 **ये सब कुछ सिर्फ ₹10,000 में! सपना नहीं अब रियलिटी बनेगा IAS बनना! 🚀**

Download Ojaank App Now Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Course Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518

📢 **Limited Seats | पहले आओ पहले पाओ**

Ojaank IAS में Admission लेने लिए दिए गए link पर Click करके Form भरें - https://docs.google.com/forms/d/1PzN1wR9JewyqDUCQY4kP60HuoefjYTVnmIL69PIRmxc/edit

अधिक जानकारी के लिए तुरंत Call करें :- 8750711100/22/33/44/55

👉🏻 **Ojaank Sir के साथ सीधा Whatsapp से जुड़ें : 8285894079**

चीन और पाकिस्तान का साया

चीन की उपस्थिति

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (PLAN) के औसतन आठ से 10 जहाज, पनडुब्बियां और दोहरे उपयोग वाले 'अनुसंधान पोत' प्रतिवर्ष हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में संचालित होते हैं। चीन ने लगातार भारत की परिधि में नौसैनिक संपत्तियों को डॉक किया है।

पाकिस्तान का नौसैनिक विकास

पाकिस्तान के पास पहले से ही एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) से लैस पनडुब्बियां हैं और 2028 तक चीन से इस तरह के आठ और प्लेटफॉर्म (भारी टॉरपीडो और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों से लैस) प्राप्त करने वाला है।

संयुक्त नौसैनिक अभ्यास

PLAN के अपने पाकिस्तानी समकक्ष के साथ नियमित नौसैनिक अभ्यास होते हैं - हाल के वर्षों में संयुक्त अभ्यासों के पैमाने में वृद्धि हुई है - जिसमें मानव रहित हवाई प्रणालियां शामिल हैं जिनका इस्लामाबाद द्वारा पहले कश्मीर में जासूसी के लिए उपयोग किया गया है।

रणनीतिक कमजोरियां

अपर्याप्त बजट

नौसेना के आधुनिकीकरण के लिए अपर्याप्त धनराशि

परियोजना में देरी

वित्तीय बाधाओं के कारण प्रमुख परियोजनाओं में देरी

रणनीतिक कमजोरियां

वैश्विक संघर्षों से प्रभावित आपूर्ति श्रृंखला

आयात निर्भरता

महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता

भारत की रणनीतिक कमजोरियां 2020 में MQ-9B ड्रोन और 2011 में रूसी अकुला क्लास SSN जैसे नौसैनिक प्लेटफार्मों को लीज पर लेने की भारत की तत्परता से स्पष्ट थीं। रूसी SSN, जिसे इस वर्ष वितरित किया जाना था, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण 2028 तक विलंबित होने की सूचना है, जो भारत की रणनीतिक कमजोरियों को उजागर करता है।

आगे का रास्ता

बजटीय पुनर्मूल्यांकन

यह स्पष्ट है कि रक्षा सेवाओं में नौसेना के बजटीय हिस्से का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि योजनाबद्ध अधिग्रहण और आधुनिकीकरण आवंटन के बीच मौजूदा असंतुलन का प्रबंधन किया जा सके।

परिचालन आवश्यकताएं

बढ़े हुए बजट से परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने और रणनीतिक कमजोरियों को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे मजबूत निवासी बल के रूप में अपनी स्थिति बनाए रख सकेगी।

गैर-व्यपगत निधि

पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिशों पर विचार किया जाना चाहिए, जिसमें एक गैर-व्यपगत रक्षा आधुनिकीकरण कोष के निर्माण और स्रोतों के संबंध में प्रारंभिक कदम के रूप में सुझाव दिया गया है।

👉 ऐसी ही UPSC Special Current News PDF के लिए Visit करें हमारी Official Website : www.ojaank.com

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link :
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine